खानदेश शिक्षण मंडळ संचलित

प्रताप महाविद्यालय

(स्वशासी)

अमलनेर-425401 जिला-जलगाँव,महाराष्ट्र

पाठ्यक्रम

एम.ए.(हिंदी)

प्रथम एवं द्वितीय सत्र

हिंदी विभाग

(जून 2019 से प्रभावान्वित)

एम.ए.(हिंदी) पाठ्यक्रम

(प्रथम एवं द्वितीय सत्र)

प्रश्नपत्र क्र.१	HIN-0111		आधुनिक हिंदी कथात्मक गद्य साहित्य	श्रेयांक-४	तासिका -४८
प्रश्नपत्र क्र.२	HIN-0112		आदिकालीन हिंदी काव्य	श्रेयांक-४	तासिका-४८
प्रश्नपत्र क्र.३	HIN-0113		भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	श्रेयांक-४	तासिका-४८
प्रश्नपत्र क्र.४	HIN-0114		हिंदी आलोचना एवं आधुनिक विमर्श	श्रेयांक-४	तासिका-४८
प्रश्नपत्र क्र.५	HIN-0121		आधुनिक हिंदी कथेतर गद्य साहित्य	श्रेयांक-४	तासिका-४८
प्रश्नपत्र क्र.६	HIN-0122		भक्तिकालीन हिंदी काव्य	श्रेयांक-४	तासिका-४८
प्रश्नपत्र क्र.७	HIN-0123		पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत एवं वाद	श्रेयांक-४	तासिका-४८
प्रश्नपत्र क्र.८	HIN-0124		हिंदी अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया	श्रेयांक-४	तासिका-४८

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र क्र.१ (HIN-111) : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य.

उद्देश्य :१) हिंदी कथा साहित्य की प्रमुख गद्य वधाओं से छात्रों को परि चत कराना.

२) प्रमुख गद्य वधाओं के वकासक्रम से परि चत कराना.

३) वधा वशेष की प्रतिनि ध रचना से अवगत कराना.

४) कथा साहित्य के पठन-पाठन,आलोचनात्मक वश्लेषण एवं मूल्यांकन की क्षमता एवं रू च का छात्रों में वकास करना.

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई-१ : हिंदी उपन्यास वधा का वकासक्रम,उपन्यास के प्रकार एवं वर्गीकरण.(6 Hrs)

इकाई-२ : हिंदी कहानी वधा का वकासक्रम,कहानी के प्रकार वर्गीकरण. (6Hrs)

इकाई-३ : चत्रलेखा उपन्यास की कथावस्तु, वषयवस्तु,चरित्र- चत्रण,युगबोध,उद्देश्य एवं महत्व, (12 Hrs)

इकाई-४ : संगृहीत कहानियों की कथावस्तु,मुख्य चरित्र,कथ्य,मुख्य संवेदना, वशेषताएं एवं महत्व (12 Hrs)

इकाई-५ : प्रतिनि ध रचना—चत्रलेखा(उपन्यास) : भगवतीचरण वर्मा. (6 Hrs)

इकाई-६ : प्रतिनि ध रचना—प्रतिनि ध कहानियां : सं.मार्कन्डेय. (6 Hrs)

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ :

१) चत्रलेखा : भगवतीचरण वर्मा,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली.

२) प्रतिनि ध कहानिया : सं.मार्कंडेय,लोकभारती प्रकाशन,नयी दिल्ली.

३) उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर,वाणी प्रकाशन,न.दिल्ली.

४) उपन्यास की संरचना : गोपाल राय,राजकमल प्रकाशन.

५) आधुनिकता और हिंदी उपन्यास :इन्द्रनाथ मदन,राजकमल प्रकाशन.

६) हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, वश्व वद्यालय प्रकाशन,वाराणसी.

७) हिंदी उपन्यास का वकास : मधुरेश,लोकभारती प्रकाशन,नयी दिल्ली.

८) हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय,राजकमल प्रकाशन.

९) हिंदी उपन्यास:एक अंतर्यात्रा : रामदरश मश्र,राजकमल प्रकाशन.

१०) हिंदी कहानी का वकास : मधुरेश,लोकभारती प्रकाशन,नयी दिल्ली.

११) हिंदी कहानी का इतिहास : गोपाल राय,राजकमल प्रकाशन,न.दिल्ली.

१२) कुछ कहानियाँ,कुछ वचार : वश्वनाथ त्रिपाठी,राजकमल प्रकाशन.

१३) कहानी:नयी कहानी : नामवर संह,लोकभारती प्रकाशन,न.दिल्ली.

१४) कहानी:स्वरुप और संवेदना : राजेन्द्र यादव,वाणी प्रकाशन,न.दिल्ली.

१५) उपन्यास:स्वरुप और संवेदना : राजेन्द्र यादव,वाणी प्रकाशन.

प्रश्नपत्र क्र.२(HIN-112) : आदिकालीन हिंदी काव्य

उद्देश्य : १) आदिकालीन हिंदी काव्य व भन्न काव्यधाराओं एवं काव्यपरम्पराओं से छात्रों को परि चत कराना.

२) हिंदी भाषा के प्रारम्भिक स्वरुप से छात्रों को अवगत कराना.

३) आदिकालीन राजनितिक,सामाजिक,धा र्मक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का छात्रों को परिचय देना.

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई-१ : हिंदी साहित्य का काल वभाजन एवं नामकरण. (4 Hrs)

इकाई-२ : अपभ्रंश साहित्य,नाथ साहित्य, सद्ध साहित्य एवं रासो साहित्य का का प्रवृत्तिपरक परिचय. (8 Hrs)

इकाई-३ : पृथ्वीराज रासो का कथानक,प्रामा णकता,राष्ट्रीयता,चरित्र- चत्रण,काव्यरूप. (12 Hrs.)

इकाई-४ : वद्यापति : भक्त क व या श्रुंगारी क व, संयोग- वयोग शृंगार,प्रेम-दर्शन, काव्य सौष्ठव,काव्य भाषा. (12 Hrs.)

इकाई-५ : प्रतिनि ध रचना--पृथ्वीराज रासो : चंदबरदाई,सन्दर्भ के लए पद : (6 Hrs.)

इकाई-६ : प्रतिनि ध रचना-- वद्यापति की पदावली,सन्दर्भ के लए पद :१,७,१२,१८ ३४,६७,७४,७७,७९. (6 Hrs.)

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ :

१) पृथ्वीराज रासो : चंदबरदाई,सं.हजारीप्रसाद द् ववेदी,लोकभारती प्रकाशन.

२) वद्यापति पदावली : सं.डॉ.आनंदप्रकाश दी क्षत,

३) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.नगेन्द्र.

४) हिंदी साहित्य का आदिकाल : आ.हजारीप्रसाद द् ववेदी.

५) आदिकालीन काव्य : वासुदेव संह, व व.प्रकाशन,वाराणसी.

६) अपभ्रंश भाषा और साहित्य : राजम ण शर्मा,भारतीय ज्ञानपीठ.नयी दिल्ली.

७) अपभ्रंश काव्य परंपरा और वद्यापति : अम्बादत्त पन्त,ना.प्र.सभा,काशी.

८) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ.गणपतिचन्द्र गुप्त.

९) पृथ्वीराज रासो:भाषा और साहित्य : डॉ.नामवर संह,राधाकृष्ण प्रकाशन,न.दिल्ली.
१०) पृथ्वीराज(सं क्षप्त) :सं.हजारीप्रसाद द् ववेदी,नामवर संह,साहित्य भवन,इलाहाबाद.
११) पृथ्वीराज रासो(साहित्यिक मूल्याङ्कन) :द् वजराम यादव,साहित्यलोक,कानपुर.
१३) पृथ्वीराज रासो(एक समीक्षा) : बि पनबिहारी त्रिवेदी,पारुल प्रकाशन,लखनौ.
१४) पृथ्वीराज रासो(इतिहास और काव्य) : डॉ.राजमल बोरा,ने.प. हाउस,दिल्ली.
१५) वद्यापति: एक अध्ययन : रामरतन भटनागर, कताब महल,इलाहाबाद.
१६) वद्यापति पुनर्मुल्यांकन : वीरेंद्र श्रीवास्तव,हिंदी ग्रन्थ अकादमी,पटना.
१७) वद्यापति की काव्य प्रतिभा : गो वन्दराम शर्मा.
१८) वद्यापति पदावली का समीक्षात्मक अध्ययन : कल्पना पटेल.
१९) वद्यापति और उनका युग : डॉ. शवप्रसाद संह
२०) वद्यापति : युग और साहित्य : डॉ.अर वन्द नारायण सन्हा.
२१) पृथ्वीराज रासो (लघु सं.) : डॉ.बी.पी.शर्मा, वश्वभारती प्रकाशन,चंडीगढ़.

प्रश्नपत्र क्र.३(HIN 113) : भारतीय काव्यशास्त्र के सद्धांत

उद्देश्य : १) भारतीय काव्यशास्त्र प्राचीन परंपरा से छात्रों को परि चत कराना.

२) भारतीय काव्यशास्त्र के सद्धांत एवं उनके वकासक्रम की जानकारी देना.

३) भारतीय आलोचना के व भन्न मानदंडों से छात्रों को अवगत कराना,

४) काव्यशास्त्र के अध्ययन की रू च जगाकर छात्रों में साहित्यिक आलोचनात्मक दृष्टी का वकास करना.

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई-१ : रस सद्धांत : रस की परिभाषा,रस का स्वरुप,रसनिष्पत्ति सूत्र एवं उसकी व्याख्याएँ,साधारणीकरण एवं सहृदय की अवधारणा. (10 Hrs.)

इकाई-२ : अलंकार सद्धांत : अलंकार की परिभाषा, अलंकार का स्वरुप, अलंकारों का वर्गीकरण,अलंकार का काव्य में स्थान. (8 Hrs.)

इकाई-३ : रीति सद्धांत : रीति का अर्थ, परिभाषा,स्वरुप, काव्य-गुण, रीति के भेद, रीति एवं शैली. (8 Hrs.)

इकाई-४ : वक्रोक्ति सद्धांत : वक्रोक्ति का अर्थ,परिभाषा,स्वरुप,वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अ भव्यंजनावाद. (8 Hrs.)

इकाई-५ : ध्वनि सद्धांत : ध्वनि का अर्थ,परिभाषा,स्वरुप, ध्वनि-काव्य और उसके भेद काव्यात्मा के रूप में ध्वनि. (8 Hrs.)

इकाई-६ : औ चत्य सद्धांत : औ चत्य का अर्थ,परिभाषा,स्वरुप,औ चत्य के भेद. (6 Hrs.)

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ :

१) भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा : राधावल्लभ त्रिपाठी, व. व.प्रकाशन,वाराणसी.

२) हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास : भागीरथ मश्र.

३) भारतीय काव्यशास्त्र के सद्धांत : कृष्णदेव शर्मा.

४) समीक्षाशास्त्र के सद्धांत(भाग १-२) : गो वन्द त्रिगुणायत.

५) भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना : रामचंद्र तिवारी, व व.प्रकाशन.

६) भारतीय साहित्यशास्त्र(भाग १-२) : बलदेव उपाध्याय.

७) भारतीय काव्यशास्त्र के सद्धांत : कृष्णदेव झारी.

८) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त,

९) भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. वजयकुमार वेदालंकार.

१०) भारतीय काव्यशास्त्र के सद्धांत : डॉ.सुरेश अग्रवाल.

११) भारतीय काव्य वमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली.

१२) काव्यसमीक्षा के भारतीय मानदंड : डॉ.वासंती सालवेकर,डॉ.उ र्मला पाटिल.

१३) रस सद्धांत : आ.रामचंद्र शुक्ल.

१४) रस सद्धांत : डॉ.नगेन्द्र,ने.प.हाउस,नयी दिल्ली.

१५) रस सद्धांत : स्वरुप वश्लेषण : डॉ.आनंदप्रकाश दी क्षत.

१६) रस सद्धांत की सामाजिक भू मका : डॉ.दुर्गा दी क्षत.

१७) औ चत्य वमर्श : डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी.

१८) स मक्षाशास्त्र : डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे.

१९) ध्वनि सम्प्रदाय और उसके सद्धांत : डॉ.बच्चूलाल अवस्थी.

२०) सुगम काव्यशास्त्र : डॉ.सुरेश माहेश्वरी.

२१) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मानदंड : डॉ.भाऊसाहेब परदेशी.

२२) भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ.उदयभानु संह.

२३) साहित्यालोचन : आ.श्यामसुन्दरदास,इं डयन प्रेस,इलाहाबाद.

.

प्रश्नपत्र क्र.४(HIN 114) : हिंदी आलोचना एवं आधुनिक वमर्श

उद्देश्य : १) हिंदी आलोचना का सामान्य परिचय छात्रों को देना.

२) हिंदी आलोचना की प्र क्रया/सोपानों से छात्रो को अवगत कराना.

३) आलोचना के व भन्न मानदंडों एवं महत्व से छात्रो को अवगत कराना.

४) हिंदी आलोचना के व भन्न आधुनिक वमर्शों से छात्रो को परि चत कराना.

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई-१ : हिंदी आलोचना : आलोचना की परिभाषा,आलोचना का स्वरुप,आलोचना के व वध सोपान,आलोचक के गुण. (8 Hrs.)

इकाई-२ : आलोचना के प्रकार एवं वशेषताएं : सैद्धांतिक,व्याख्यात्मक,मार्क्सवादी, प्रभाववादी,तुलनात्मक,मनो वश्लेशानात्मक,सौन्दर्यशास्त्रीय आलोचना.(8 Hrs.)

इकाई-३ : हिंदी के प्रमुख आलोचक एवं उनकी आलोचना पद्धति : आ.रामचंद्र शुक्ल आ.हजारीप्रसाद द् ववेदी, आ.नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ.राम वलास शर्मा, डॉ. नामवर संह. (8 Hrs.)

हिंदी आलोचना के न वन वमर्श :

इकाई-४ : द लत वमर्श : परिभाषा,स्वरुप, वशेषताएं,रचनाएँ एवं वकासक्रम.(8 Hrs.)

इकाई-५ : आदिवासी वमर्श :परिभाषा,स्वरुप,, वशेषताएं,रचनाएँ एवं वकासक्रम. (8 Hrs.)

इकाई-६ : स्त्री वमर्श : परिभाषा,स्वरुप, वशेषताएं,रचनाएँ एवं वकासक्रम. (8 Hrs.)

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ :

१) हिंदी आलोचना : उद्भव और वकास : भगवतस्वरूप मश्र,साहित्य सदन,देहरादून.

२) हिंदी आलोचना : वश्वनाथ त्रिपाठी,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली.

३) हिंदी आलोचना का वकास : नंद कशोर नवल,वही.

४) हिंदी आलोचना का वकास : मधुरेश,लोकभारती प्रकाशन,नयी दिल्ली.

५) हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी : निर्मला जैन,राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली.

६) हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ : निर्मला जैन,वही.

७) आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन संह,वाणी प्रकाशन,न.दिल्ली.

८) हिंदी साहित्य कोष (भाग १व२) : सं.धीरेन्द्र वर्मा.

९) हिंदी आलोचना की पारिभा षक शब्दावली : डॉ.अमरनाथ,राजकमल प्रकाशन.
१०) भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना : रामचंद्र तिवारी, व व प्रका.
११) इतिहास और आलोचना : डॉ.नामवर संह,राजकमल प्रकाशन,न.दिल्ली.
१२) साहित्यशास्त्र : डॉ.सुधाकर कलावडे.
१३) स्त्री मुक्ति संघर्ष और इतिहास : रम णका गुप्ता.
१४) भारतीय नारी : दशा और दिशा : आशारानी होरा.
१५) स्त्री वमर्श के व वध पहलू : कल्पना वर्मा.
१६) द लत साहित्य और समसामयिक सन्दर्भ : श्रवणकुमार मीणा.
१७) अम्बेडकरवादी सौन्दर्यशास्त्र द लत आदिवासी जनजातीय वमर्श:डॉ. वनयकुमार पाठक
१८) भारतीय आदिम लोकसाहित्य : डॉ.श शकांत सोनवणे
१९) भारतीय स्त्री साहित्य : डॉ.श शकांत सोनवणे
२०) द लत साहित्य : श शकांत सोनवणे
२१) आलोचना के ना भ पुरुष : नगेन्द्र : डॉ.शैलजा माहेश्वरी.
२२) वमर्श के व वध आयाम : डॉ.अर्जन चव्हाण
२३) आदिवासी केन्द्रित हिंदी साहित्य : सं.उषाकीर्ति रानावत.
२४) आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी : रम णका गुप्ता.
२५) आदिवासी साहित्य यात्रा : रम णका गुप्ता
२६) समकालीन हिंदी उपन्यासों में आदिवासी वमर्श : डॉ. शवाजी देवरे,डॉ.मधु खराटे
२७) हिंदी साहित्य में द लत चेतना : डॉ.आनंद वासकर
२८) साहित्य और द लत चेतना : सं.महीप संह/डॉ.चंद्रकान्त बांदिवडेकर
३०) द लत साहित्य का मूल्यांकन : प्रो.चमनलाल.
३१) द लत वैचारिकी : जयप्रकाश कर्दम.
३२) द लत साहित्य : डॉ.सोहम सुमनाक्षर
३३) समकालीन ले खकाओं के उपन्यासों में स्त्री वमर्श : डॉ. महेंद्र रघुवंशी.
३४) स्त्री चंतन की चुनौतियां : रेखा करतवार
३५) स्त्री वमर्श : डॉ. वनयकुमार पाठक.
३६) स्त्रीवादी साहित्य वमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी
३७) स्त्री अस्मिता : साहित्य और वचारधारा : जगदीश्वर चतुर्वेदी,सुधा संह

प्रश्नपत्र क्र.५ (HIN 121) : आधुनिक हिंदी कथेतर गद्य साहित्य

उद्देश्य : १) आधुनिक हिंदी की कथेतर गद्य वधाओं के व भन्न रूपों से छात्रों को परि चत कराना.

२) कथेतर गद्य वधाओं उद्भव एवं वकासक्रम से अवगत कराना.

३) प्रतिनि ध रचनाओं के रूप-स्वरुप एवं कथ्य से अवगत कराना.

४) कथेतर गद्य वधाओं की रचना-प्र क्रया एवं आलोचनात्मक वश्लेषण की क्षमता का छात्रों में वकास करना.

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई-१ : निबंध की परिभाषा,निबंध के तत्व,निबंध के प्रकार.हिंदी निबंध वधा का वकासक्रम, (6 Hrs.)

इकाई-२ : यात्रा साहित्य की परिभाषा,तत्व, यात्रावृत्त के प्रकार. हिंदी यात्रा-साहित्य का वकासक्रम.यात्रा-वृत्त लेखन की शै लयाँ. (6 Hrs.)

इकाई-३ : ‘ चंताम ण-१’में संक लत निबंधों स्वरुप,तात्विक ववेचन, वश्लेषण, चंतन-पक्ष,भाव-पक्ष,शैली-पक्ष, वशेषताएं,महत्व. (8 Hrs.)

इकाई-४ : ‘पैरों में पंख बांधकर’ यात्रावृत्त का स्वरुप,तात्विक ववेचन, वश्लेषण, वशेषताएं,महत्व. (8 Hrs.)

इकाई-५ : चंताम ण भाग-१ : आ.रामचंद्र शुक्ल (10 Hrs.)

इकाई-६ : पैरों में पंख बांधकर : रामवृक्ष बेनीपुरी (10 Hrs.)

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ :

१) चंताम ण(भाग-१) : आ.रामचंद्र शुक्ल,लोकभारती प्रकाशन,नयी दिल्ली.

२) पैरों में पंख बांधकर : रामवृक्ष बेनीपुरी,लोकसेवक प्रकाशन,वाराणसी.

३) हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, व व.प्रकाशन,वाराणसी.

४) हिंदी निबंध का वकास : ओंकारनाथ शर्मा

५) हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन :डॉ.मुरलीधर शहां.

६) हिंदी साहित्य : ववेक शंकर,राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर.

७) छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य : डॉ. वश्वनाथप्रसाद तिवारी.

८) हिंदी निबंध का उद्भव और वकास : हरिचरण शर्मा,रीता गौड़,मा लक एंड क.
९) हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : बाबुराम,वाणी प्रकाशन,न.दिल्ली
१०) हिंदी निबंध और निबंधकार : रामचंद्र तिवारी, व व.प्रकाशन,वाराणसी.
११) हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य : प्रतापपाल शर्मा,अमर प्रकाशन,कानपुर.
१२) यात्रा साहित्य वधा : शास्त्र और इतिहास : बापुराव देसाई, वकास प्रका.कानपुर
१३) हिंदी का स्वातंत्र्यप्राप्त्योत्तर यात्रा साहित्य : डॉ.इरेश स्वामी,अन्नपूर्णा प्र.कान.
१४) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरुप और वकास : मुरारीलाल शर्मा,क्ला स.प.हाठस.
१५) आ.रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना : राम वलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन.
१६) रामचंद्र शुक्ल : मलयज,राजकमल प्रकाशन,न.दिल्ली.
१७) रामचंद्र शुक्ल :आलोचना का अर्थ-अर्थ की आलोचना : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद.
१८) हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन और रामचंद्र शुक्ल : देवलाल मौर्य,एक्सीलेंस प्रकाशन,इलाहाबाद.

प्रश्नपत्र क्र.६(HIN 122) : भक्तिकालीन हिंदी काव्य

उद्देश्य : १)हिंदी साहित्य के भक्तिकाल की पृष्ठभू म से छात्रों को अवगत कराना.

२) भक्तिकाल की व भन्न काव्यधाराओं से परि चत कराना.

३) भक्तिकालीन क वताओं के महत्व एवं प्रासं गकता को समझाना.

४) भक्तिकाल के प्रमुख क वयों एवं उनके कृतित्व से परि चत कराना.

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई-१ : भक्तिकाल की पृष्ठभू म,भक्ति की अवधारणा भक्तिकाव्य के दो प्रमुख भेद-सगुन एवं निर्गुण. (6 Hrs)

इकाई-२ : सगुन भक्ति - स्वरुप,रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति शाखा की वशेषताएं. (6 Hrs.)

इकाई-३ : निर्गुण भक्ति - स्वरुप,ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखा की वशेषताएं.(6 Hrs.)

इकाई-४ : प्रतिनि ध क व कबीर : कबीर की सामाजिकता, कबीर का प्रेमतत्व, कबीर की क्रांतिकारिता,कबीर का कलापक्ष. (8 Hrs.)

इकाई-५ : प्रतिनि ध क व तुलसीदास : तुलसी की भक्तिभावना,लोकमंगल की भावना,लोकादर्श,काव्यसौन्दर्य. (8 Hrs.)

इकाई-६ : सन्दर्भ एवं व्याख्या के लए. (14 Hrs.)

(क) पाठ्यपुस्तक : कबीर ग्रंथावली : सं.श्यामसुन्दरदास

सन्दर्भ के लए पद : गुरुदेव को अंग-३.१४,३३.

वरह को अंग-६,२१,४५.

पद-४९,९२,३४६

(ख) पाठ्यपुस्तक : श्रीरामचरितमानस : गोस्वामी तुलसीदास

सन्दर्भ के लए : सुन्दरकाण्ड के प्रारं भक १० छंद.

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ :

१) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.नगेन्द्र

२) हिंदी साहित्य का इतिहास : आ.रामचंद्र शुक्ल.

३) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय.

४) हिंदी साहित्य की भू मका : उद्भव और वकास : आ.हजारीप्रसाद द् ववेदी.

५) हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां : डॉ.जय कशनप्रसाद खंडेलवाल.

६) भक्ति काव्य-यात्रा : रामस्वरूप चतुर्वेदी,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद.
७) मध्यकालीन धर्मसाधना : हजारीप्रसाद द् ववेदी,साहित्यभावन,इलाहाबाद.
८) भक्तिकाव्य और वर्तमान समय : सं.रतनकुमार पाण्डेय.
९) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपतिचंद्र गुप्त,लोकभारती प्रकाशन.
१०) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ.रामकुमार वर्मा,वही.
१२) साहित्यिक निबंध : डॉ.राजनाथ शर्मा, वनोद पुस्तक मंदिर,आगरा.
१३) हिंदी साहित्य : ववेक शंकर,राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर.
१४) हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास : ववेक शंकर,उ र्मला साथ,वही.
१५) साहित्यिक निबंध : डॉ.रेणु वर्मा,वही.
१६) कबीर : सं.वासुदेव संह,अ भव्यक्ति प्रकाशन,इलाहाबाद.
१७) कबीर : सं.डॉ. वजयेन्द्र स्नातक,राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली.
१८) कबीर मीमांसा : रामचंद्र तिवारी,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद.
१९) कबीर : हजारीप्रसाद द् ववेदी,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली.
२०) कबीर : एक नयी दृष्टी : डॉ.रघुवंश,लोकभारती प्रकाशन.
२१) कबीर : व्यक्तित्व,कृतित्व एवं सद्धांत : सरनाम संह शर्मा,भारतीय शोध संस्थान,गुलाबपुरा.
२२) उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी,साहित्य भवन,इलाहाबाद.
२३) तुलसी काव्य-मीमांसा : उदयभानु संह,राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली.
२४) तुलसीदास : रामचंद्र तिवारी,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली.
२५) तुलसीदास : रामजी तिवारी,साहित्य अकादमी,नयी दिल्ली.
२६) तुलसीदास : सं.वासुदेव संह,अ भव्यक्ति प्रकाशन.
२७) तुलसीदास और उनका युग : राजपति दी क्षत,ज्ञानमंडल ल.वाराणसी.
२८) तुलसीदास : माताप्रसाद गुप्त,लोकभारती प्रकाशन,भारतीय हिंदी परिषद्.
२९) रामचरितमानस(टीका) : हनुमानप्रसाद पोद्दार,गीताप्रेस.
३०) तुलसी की साहित्य साधना : लल्लन राय,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली.

प्रश्नपत्र क्र.७ (HIN123) : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सद्धांत एवं वाद.

उद्देश्य : १) पाश्चात्य काव्य परंपरा से छात्रों का परि चत कराना.

२) काव्य वषयक पाश्चात्य सद्धांतो एवं वादों से अवगत कराना.

३) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रति छात्रो में रू च जाग्रत करना.

४) काव्यशास्त्र के ज्ञान द्वारा छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टी का वकास करना.

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई-१ : अनुकरण एवं वरेचन सद्धांत : पाश्चात्य वचारक अरस्तु एवं प्लेटो की स्थापनाएं तथा तुलनात्मक अध्ययन,त्रासदी एवं वरेचन. (6 Hrs.)

इकाई-२ : उदात्त सद्धांत : लोंजाईनस की उदात्त वषयक स्थापनाए एवं उदात्त सद्धांत का ववेचन. (6 Hrs.)

इकाई-३ : अ भव्यंजनावाद : क्रोंचे की अ भव्यंजना वषयक स्थापनाएं तथा अ भव्यंजनावाद का ववेचन. (6 Hrs.)

इकाई-४ : निर्वैयक्तिकता का सद्धांत : टी.एस.इ लयट के निर्वैयक्तिकता के सद्धांत का ववेचन.वस्तुनिष्ठ प्रतिरुपता सद्धांत का ववेचन.(6 Hrs)

इकाई-५ : मुल्यवाद और सम्प्रेषण : आई.ए.रिचर्ड्स के मुल्यवाद और सम्प्रेषण सद्धांत का ववेचन. (6 Hrs.)

इकाई-६ : व लयम वर्ड्सवर्थ के काव्यभाषा सद्धांत का ववेचन. (6 Hrs.)

इकाई-७ : कोलरिज के कल्पना सद्धांत का ववेचन. (6 Hrs.)

इकाई-८ : निम्न पाश्चात्य वादों का अध्यन : यथार्थवाद,बिम्बवाद, प्रतीकवाद, अस्तित्ववाद,संरचानावाद,कलावाद. (6 Hrs.)

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ :

१) शास्त्रीय समीक्षा के सद्धांत : गो वन्द त्रिगुणायत

२) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा,ने.प.हाउस,नयी दिल्ली.

३) प्लेटो के काव्य सद्धांत : निर्मला जैन,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली.

४) नयी समीक्षा के प्रतिमान : निर्मला जैन,ने.प.हाउस.

५) पाश्चात्य आलोचना के काव्य सद्धांत : शांतिस्वरूप गुप्त,अशोक प्रकाशन,दिल्ली

६) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : वजय बहादुर संह,प्रकाशन संस्थान,नयी दिल्ली.

७) पाश्चात्य काय्शास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली,शब्दकार.दिल्ली.

८) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन सन्दर्भ : सत्यदेव मश्र,लोकभारती,इलाहाबाद.

९) भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र ; अर्चना श्रीवास्तव, व व.वाराणसी.

१०) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सद्धांत : कृष्णदेव शर्मा,

११) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. वजयकुमार वेदालंकार.

१२) अरस्तू का काव्यशास्त्र : डॉ.नगेन्द्र,भारती भण्डार,इलाहाबाद.

१३) रिचर्ड्स के आलोचना सद्धांत : डॉ.शम्भुदत्त झा.

१४) उदात्त के वषय में : निर्मला जैन,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली.

१५) टी.एस.इ लयट के आलोचना सद्धांत : डॉ. शवमूर्ति पाण्डेय.

१६) काव्य चंतन की पश्चिमी परंपरा : निर्मला जैन,वाणी प्रकाशन.

१७) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : कृष्णदेव झारी.

१८) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ.सुरेश अग्रवाल.

१९) यथार्थवाद : शवकुमार मश्र,मैक मलन,नयी दिल्ली.

२०) अस्तित्ववाद : पक्ष और वपक्ष : पाल रु चबेक,मप्र.हिं.ग्र.अकादमी,भोपाल.

२१) संरचनावाद,उत्तर संरचनावाद,प्राच्य काव्यशास्त्र : गोपीचंद नारंग.

२२) भा.एवं पा.काव्यशास्त्र तथा आलोचना : रामचंद्र तिवारी, व व.प्रकाशन,वाराणसी.

२३) भा.एवं पा.काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ.तेजपाल चौधरी

२४) भा.एवं पा.काव्यशास्त्र के मानदंड : डॉ.भाऊसाहेब परदेशी

प्रश्नपत्र क्र.८ (HIN 124) : हिंदी अनुसंधान प्र व ध एवं प्र क्रया

उद्देश्य : १) छात्रों का अनुसंधान प्र व ध से परि चत कराना.

२) हिंदी में अनुसंधान की प्र क्रया से परि चत कराना.

३) हिंदी में अनुसंधान की आवश्यकता एवं संभावनाओं से अवगत कराना.

४) अनुसंधान की क्षमता एवं जिज्ञासा का छात्रों में वकास कराना.

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई-१ : अनुसंधान की परिभाषा, अनुसंधान हेतु प्रयुक्त व भन्न शब्द,अनुसंधान का औ चत्य एवं महत्व,अनुसंधान का उद्देश्य. (6 Hrs.)

इकाई-२ : साहित्यिक अनुसंधान का स्वरुप एवं प्रकार-वर्णनात्मक,ऐतिहा सक,तुलना -त्मक,व्याख्यात्मक आदि. (8 Hrs.)

इकाई-३ : हिंदी अनुसंधान की प्र क्रया - वषय चयन,सामग्री संकलन,सामग्री का वर्गीकरण, वश्लेषण, ववेचन,निष्कर्ष. (8 Hrs.)

इकाई-४ : शोध-प्रबंध लेखन प्रणाली : शीर्षक का निर्धारण, रुपरेखा का निर्माण, भू मका लेखन,अध्याय वभाजन,सन्दर्भ उल्लेख,पाद-टिपण्णी,परि शष्ट, सन्दर्भ सूची,साक्षात्कार,अन्य स्त्रोत. (14 Hrs.)

इकाई-५ : अनुसंधान कार्य के आधारभूत तत्व एवं अनुसंधान सामग्री : क) अनुसंधानकर्ता के गुण ख) शोध निर्देशक के गुण ग) अनुसंधान सामग्री एवं सामग्री के स्त्रोत. (6 Hrs.)

इकाई-६ : हिंदी अनुसंधान का वकासक्रम,हिंदी अनुसंधान में सहायक शोध संस्थान एवं उनका परिचय. (6 Hrs.)

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ :

१) हिंदी अनुसंधान : डॉ. वजयपाल संह

२) शोध प्र व ध : डॉ. वनयमोहन शर्मा.

३) न वन शोध वज्ञान : डॉ.तिलक संह

४) अनुसंधान का स्वरुप : डॉ.सा वत्री सन्हा

५) अनुसंधान और आलोचना : डॉ.नगेन्द्र

६) अनुसंधान प्र व ध : डॉ.गणेशन

७) शोध स्वरुप एवं मानक व्यवहारिक कार्य व ध : बैजनाथ संहल

८) अनुसंधान की प्र क्रया : डॉ.भागीरथ मश्र

९) हिंदी शोध प्र व ध और प्र क्रया : डॉ.राजेन्द्र मश्र

१०) अवतरण शोधतंत्र के सन्दर्भ में : डॉ.चंद्रभानु सोनवने.

११) अनुसंधान प्र व ध और प्र क्रया : डॉ. वनयकुमार पाठक.

१२) अनुसंधान प्र व ध और प्र क्रया : डॉ. शवाजी देवरे,डॉ.मधु खराटे.

१३) अनुप्रयुक्त अनुसंधान प्र व ध : डॉ.सुरेश माहेश्वरी

१४) शोध कैसे करें : डॉ.पुनीत बिसारिया.

१५) हिंदी शोधतंत्र की रूपरेखा : डॉ.मनमोहन सहगल.

१६) साहित्य सद्धांत और शोध : डॉ.आनंदप्रकाश दी क्षत.

१७) अनुसंधान और अनुशीलन : डॉ.गोपालबाबू शर्मा.

१८) अनुसंधान का ववेचन : डॉ.उदयभानु संह.

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक वभाजन

प्रश्नपत्र क्र.१ (HIN 111) : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

सूचना : यह प्रश्नपत्र ६० अंकों का होगा.इसमें कुल पांच प्रश्न अंतर्गत वकल्प के साथ पूछे जायेंगे.प्रत्येक प्रश्न १२ अंकों का होगा.

प्रश्न क्र.१) : इकाई क्र.१ एवं इकाई क्र.२ पर अंतर्गत वकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न.

प्रश्न क्र.२) : इकाई क्र.३ एवं इकाई क्र.४ पर अंतर्गत वकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न.

प्रश्न क्र.३) : इकाई क्र.३ पर अंतर्गत वकल्प के साथ तीन लघुत्तरी प्रश्न अथवा टिप्प णयां.

(तीन में से दो)

प्रश्न क्र ४) : इकाई क्र.४ पर अंतर्गत वकल्प के साथ तीन लघुत्तरी प्रश्न अथवा टिप्प णयां

(तीन में से दो)

प्रश्न क्र. ५) : ससंदर्भ व्याख्या करना.

क) इकाई क्र.५ पर (दो में से एक)

ख) इकाई क्र.६ पर (दो में से एक)

प्रश्नपत्र क्र.२ (HIN 112) : आदिकालीन हिंदी काव्य

सूचना : यह प्रश्नपत्र ६० अंकों का होगा.इसमें कुल पांच प्रश्न अंतर्गत वकल्प के साथ पूछे जायेंगे.प्रत्येक प्रश्न १२ अंकों का होगा.

प्रश्न क्र.१) : इकाई क्र.१ एवं इकाई क्र.२ पर अंतर्गत वकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न.

प्रश्न क्र.२) : इकाई क्र.३ एवं इकाई क्र.४ पर अंतर्गत वकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न.

प्रश्न क्र.३) : इकाई क्र.३ पर अंतर्गत वकल्प के साथ तीन लघुत्तरी प्रश्न अथवा टिप्प णयां

(तीन में से दो)

प्रश्न क्र.४) : इकाई क्र.४ पर अंतर्गत वकल्प के साथ तीन लाघुत्तरी प्रश्न अथवा टिप्प णयां

(दो में से एक)

प्रश्न क्र.५) : ससंदर्भ व्याख्या करना.

(क) इकाई क्र.५ पर (तीन में से दो)

(ख) इकाई क्र ६ पर (तीन में से दो)

प्रश्नपत्र क्र.३ (HIN 113) : भारतीय काव्यशास्त्र के सद्धांत.

सूचना : यह प्रश्नपत्र ६० अंकों का होगा.कुल पांच प्रश्न अंतर्गत वकल्प के साथ पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १२ अंकों का होगा.

प्रश्न क्र.१) : इकाई क्र. १ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.२) : इकाई क्र.२ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.३) : इकाई क्र.३ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.४) : इकाई क्र.४ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.५) : इकाई क्र ५ एवं इकाई क्र ६ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्नपत्र क्र.४ (HIN 114) : हिंदी आलोचना एवं आधुनिक वमर्श

सूचना : यह प्रश्नपत्र ६० अंकों का होगा.कुल पांच प्रश्न अंतर्गत वकल्प के साथ पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १२ अंकों का होगा.

प्रश्न क्र.१) : इकाई क्र.१ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न एवं इकाई क्र.२ पर दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न परस्पर वकल्प के साथ पूछे जायेंगे.

प्रश्न क्र.२) : इकाई क्र.३ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.३) : इकाई क्र ४ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.३) : इकाई क्र ५ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.५) : इकाई क्र.६ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

प्रश्नपत्र क्र.५ (HIN 121) : आधुनिक हिंदी कथेतर गद्य साहित्य

सूचना : यह प्रश्नपत्र ६० अंकों का होगा.कुल पांच प्रश्न अंतर्गत वकल्प के साथ पूछे जायेंगे प्रत्येक प्रश्न १२ अंकों का होगा.

प्रश्न क्र.१) : इकाई क्र.१ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न

अथवा टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.२) : इकाई क्र २ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न

अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.३) : इकाई क्र.३ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न

अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.४) : इकाई क्र.४ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न

अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.५) : ससंदर्भ व्याख्या करना.

(क) इकाई क्र.५ पर (दो में से एक)

(ख) इकाई क्र.६ पर (दो में से एक)

प्रश्नपत्र क्र.६ (HIN 122) : भक्तिकालीन हिंदी साहित्य.

सूचना : यह प्रश्नपत्र कुल अंकों का होगा.कुल पांच प्रश्न अंतर्गत वकल्प के साथ पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १२ अंकों का होगा.

प्रश्न क्र.१) : इकाई क्र १ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न

अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.२) : इकाई क्र.२ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न

अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.३) : इकाई क्र.३ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न

अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.४) : इकाई क्र.४ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न

अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.५) : ससंदर्भ व्याख्या कीजिये.

(क) इकाई क्र.५ पर (दो में से एक)

(ख) इकाई क्र.६ पर (दो में से एक)

प्रश्नपत्र क्र.७ (HIN 123) : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सद्धांत एवं वाद

सूचना : यह प्रश्नपत्र ६० अंकों का होगा.कुल पांच प्रश्न अंतर्गत वकल्प के साथ पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १२ अंकों का होगा.

प्रश्न क्र.१) : इकाई क्र.१ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.२) : इकाई क्र २ एवं इकाई क्र.३ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.३) : इकाई क्र.४ एवं इकाई क्र.५ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.४) : इकाई क्र.६ एवं इकाई क्र.७ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो लघुत्तरी प्रश्न अथवा दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.५) : इकाई क्र.८ पर टिप्प णयां (दो में से तीन)

****

प्रश्नपत्र क्र.८(HIN 124) : हिंदी अनुसंधान प्र व ध एवं प्र क्रया.

सूचना : यह प्रश्नपत्र ६० अंकों का होगा.कुल पांच प्रश्न अंतर्गत वकल्प के साथ पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न १२ अंकों का होगा.

प्रश्न क्र.१) : इकाई क्र.१ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.२) : इकाई क्र.२ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.३) : इकाई क्र.३ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.४) : इकाई क्र ४ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

प्रश्न क्र.५) : इकाई क्र.५ एवं इकाई क्र.६ पर एक दीर्घोत्तरी प्रश्न को अंतर्गत वकल्प के साथ दो टिप्प णयां.

****